विश्वविद्यालय में कार्यरत अध्यापक शिक्षकों के व्यावसायिक तनाव और नौकरी की संतुष्टि के बीच सम्बन्धों का अध्ययन

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा

के

शिक्षाशास्त्र विषय में डॉ० ऑफ फिलॉसफी (पी.एच -डी.) उपाधि हेतु प्रस्तावित

शोधकार्य की शोध संक्षेपिका

पर्यवेक्षक

डॉ. मनोज कुमार सिंह

असिस्टेंट प्रोफेसर

डॉ ज़ाकिर हुसैन टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज

लहेरियासराय, दरभंगा , बिहार

शोधकर्त्ता

गुलफिशाँ नूरी

PAT ROLL- 22060111

PAT- 2021-22

परिचय (Introduction)

शिक्षा में शिक्षक का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे एक समाज के उत्थान में, ज्ञान की प्राप्ति में और व्यक्ति के समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत होते हैं, बल्कि उनका प्रभाव छात्रों के विचार और आचरण पर भी होता है, जिससे उन्हें समृद्धि और सफलता की दिशा में प्रेरित किया जा सकता है।
शिक्षक समाज के नेतृत्व का कार्य भी निभाते हैं। वे छात्रों को सही मार्गदर्शन देते हैं और उन्हें समाज में सही मूल्यों और नैतिकता की शिक्षा प्रदान करते हैं। शिक्षक का यह कार्य एक सुरक्षित, सुविकसित, और सशक्त समाज की दिशा में जुड़ा होता है। शिक्षा क्षेत्र में शिक्षक छात्रों के जीवन में गहरा प्रभाव डालते हैं। उन्होंने न केवल विद्या का ज्ञान दिया है, बल्कि उन्होंने छात्रों को सोचने, समझने, और समस्याओं का समाधान करने के कौशल में भी सिखाया है। शिक्षक छात्रों को जीवन में सही दिशा दिखाते हैं ताकि वे समृद्धि और सफलता की प्राप्ति के लिए तैयार हो सकें।
शिक्षक का महत्व विशेषकर बच्चों के बुद्धिमत्ता और विकास के प्रति है, जो समाज के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षक छात्रों को नए और उन्नत विचारों, विज्ञान, और तकनीकी प्रगति के साथ जोड़कर उन्हें एक बेहतर भविष्य की दिशा में बढ़ने में मदद करते हैं। शिक्षा में शिक्षक का महत्व यहां समझा जा सकता है कि वे समाज के निर्माण में, ज्ञान के प्रसार में, और छात्रों के समृद्धि में अद्वितीय भूमिका निभाते हैं। उनका संबंध छात्रों के साथ उनके विकास को बढ़ावा देने में बहुत योगदान करता है और समृद्धि, सफलता, और जिम्मेदार नागरिक निर्माण में मदद करता है।

मिथिला विश्वविद्यालय, बिहार, एक प्रमुख शिक्षा संस्थान है जो अनेक विषयों में उच्च शिक्षा प्रदान करता है और यहां विभिन्न क्षेत्रों में कई शिक्षकों को नियुक्ति देता है। इस अद्भुत विश्वविद्यालय के प्रमुख उद्देश्यों में से एक यह भी है कि विद्यालय के कर्मचारियों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय अनुभव प्रदान किया जाए।
इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह है कि विश्वविद्यालय में काम करने वाले शिक्षकों के जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझना और उनकी चुनौतियों का विश्लेषण करना। इसके माध्यम से हम उनके संतुष्टि के स्तर, पेशेवर और व्यक्तिगत चुनौतियों को समझ सकते हैं जो शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों को आते हैं।
एक विश्वविद्यालय में शिक्षक बनना एक गर्वशील अनुभव है, लेकिन इसके साथ ही आने वाली चुनौतियाँ भी होती हैं। विश्वविद्यालयों में काम करने वाले शिक्षकों को अपने क्षेत्र में नवीनता और उच्चतम शिक्षा के मानकों का पालन करना होता है। यहां के शिक्षक अकेले पढ़ाई के स्तर को उच्च करने के लिए नहीं, बल्कि छात्रों को नई सोच और नए दृष्टिकोण सिखाने का भी कार्य करते हैं। इस प्रकार, इस अध्ययन से हम यह जान सकते हैं कि इन शिक्षकों को कैसे नए और चुनौतीपूर्ण कार्यों का सामना करना पड़ता है जो उन्हें एक उच्च शिक्षा संस्थान में काम करते समय आते हैं। शिक्षकों को उनके कार्यरत जीवन में कैसे संतुष्टि मिलती है और कैसे वे अपने छात्रों को उत्कृष्टता की दिशा में प्रेरित करते हैं। इसके अलावा, शिक्षकों की उच्चतम शिक्षा के क्षेत्र में उनकी स्थिति, उनके अध्ययन के क्षेत्र में किए गए अनुसंधानों की महत्ता, और उनके प्रशिक्षण के अनुभवों का विश्लेषण भी हमें इस अध्ययन से मिलेगा।
इस अध्ययन के लिए हम विभिन्न विधाओं का उपयोग करेंगे, जैसे कि साक्षात्कार, सर्वेक्षण, और अनुसंधान पत्रों का अध्ययन करेंगे। शिक्षकों के साथ साक्षात्कार करके हम उनके व्यक्तिगत अनुभवों को समझेंगे और उनकी दृष्टिकोण को शामिल करेंगे। सर्वेक्षण के माध्यम से हम विभिन्न शिक्षकों की संतुष्टि के स्तर का अनुमान लगाएंगे और उनकी चुनौतियों का संक्षेप में विश्लेषण करेंगे। अनुसंधान

Gulfeshan Noorie

पत्रों का अध्ययन करके हम विभिन्न शिक्षकों के क्षेत्र में किए गए अनुसंधानों का विश्लेषण करेंगे जो उनके अध्ययन क्षेत्र में नए दृष्टिकोण और नई जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

इस अध्ययन के माध्यम से हम यह भी जान सकते हैं कि विश्वविद्यालय में काम करने वाले शिक्षकों के लिए कैसे संगठनात्मक समर्थन और प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा सकती है ताकि वे अपने क्षेत्र में और भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। विश्वविद्यालय में काम करने वाले शिक्षकों के जीवन में आने वाली चुनौतियों को समझने का एक नया परिचय प्रदान करे, जिससे उन्हें बेहतरीन समर्थन और स्थिति मिले ताकि वे अध्यापन क्षमता में वृद्धि कर सकें और अपने छात्रों को उत्कृष्टता की दिशा में प्रेरित कर सकें !

शिक्षक शिक्षकों (Teacher Educators)

शिक्षक प्रशिक्षकों का महत्व हमारे शिक्षा तंत्र के सुधारने और समृद्धि में बड़ा योगदान करता है। शिक्षा प्रणाली को नवाचारों, सृजनात्मकता, और सामग्री में सुधार की आवश्यकता है, और इसमें शिक्षक प्रशिक्षकों का अहम योगदान है।

शिक्षक प्रशिक्षक समृद्धि, विकास, और नवीनता के साथ शिक्षकों को सुधारने में सहायक होते हैं। उनका कार्यक्षेत्र शिक्षा प्रणाली में सुधार, विद्यार्थी-शिक्षक संबंध, और शिक्षा सामग्री के प्रभावी उपयोग में शामिल होता है। शिक्षा प्रणाली में नए अनुसंधान, तकनीकी उन्नति, और अद्वितीय प्रयासों के लिए शिक्षक प्रशिक्षक अद्वितीयता और उत्साह से भरे होते हैं। वे शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों को नए शिक्षा तकनीकी और मेथॉडोलॉजी के साथ समर्थन प्रदान करते हैं ताकि वे अपने शिक्षा क्षेत्र में बेहतर से बेहतर कार्य कर सकें।

शिक्षक प्रशिक्षकों का कार्यक्षेत्र शिक्षा की नई दिशाएं तथा नए शिक्षा मानकों की रचना करने में भी होता है। वे शिक्षा क्षेत्र में हो रही बदलती तकनीक, विज्ञान, और सामाजिक परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों को उन तकनीकी और तात्कालिक ज्ञानों से अवगत कराते हैं।

इस प्रकार, शिक्षक प्रशिक्षकों का कार्य न केवल शिक्षा संस्थानों के स्तर पर, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र में उत्कृष्टता की दिशा में नेतृत्व करने का भी है। उनका समर्थन और मार्गदर्शन हमारे शिक्षा सिस्टम को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और छात्रों को नए और नए दृष्टिकोण सिखाने का संवेदनशीलता से सहयोग करता है।

व्यावसायिक तनाव :

व्यावसायिक तनाव एक ऐसी स्थिति है जो किसी भी व्यापारिक संगठन या व्यक्ति को किसी भी कारगर परिस्थिति से गुजरने का अनुभव कराती है। यह तनाव व्यापार, रोजगार, वित्त, और सामाजिक परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हो सकता है और अक्सर यह कारगरता, स्वास्थ्य समस्याएं, और बैंकरप्टी की ओर बढ़ सकता है।

व्यावसायिक तनाव का कारण बाधाएं, संघर्ष, और असमंजस्य के कारण उत्पन्न हो सकती हैं। बदलते बाजार और मुकाबले की भारी जिम्मेदारियों के चलते, व्यापारों में विशेषकर उद्यमिता क्षेत्र में व्यक्तियों को अधिक दबाव महसूस हो सकता है। यह समस्याएं उच्च लागत, कम मुनाफा, और नौकरी संरचना में परिवर्तन के कारण उत्पन्न हो सकती हैं।

इससे निपटने के लिए, व्यापारिक संगठनों को ठोस कारगर नीतियों, कर्मचारी समर्थन, और सुधारित कामकाजी परियोजनाओं की आवश्यकता होती है। स्थायी समाधान और उचित प्रबंधन से, व्यावसायिक समुदाय व्यावसायिक तनाव को कम करने में सक्षम हो सकता है और सामंजस्य, उत्साह, और समृद्धि की दिशा में प्रगट हो सकता है।

Gulfeshan Noorie

शिक्षकों का व्यावसायिक तनाव

शिक्षकों का व्यावसायिक तनाव एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण मुद्दा है, जो शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों को प्रभावित कर सकता है। शिक्षकों को नियमित रूप से नए पाठ्यक्रम, प्रौद्योगिकी के अद्यतित रूप, और छात्रों के विभिन्न आचार्यों के साथ संवाद करना होता है, जो अक्सर उन्हें तनावपूर्ण बना सकता है।

शिक्षकों का तनाव विभिन्न कारणों से उत्पन्न हो सकता है, जैसे कि छात्रों के असमुचित व्यवहार, परिवार की समस्याएं, और प्रशासनिक दबाव। नए पाठ्यक्रम और प्रौद्योगिकी के अपग्रेड का सामना करना, छात्रों की विभिन्न आवश्यकताओं का समर्थन करना और समय की कमी के चलते तनाव बढ़ा सकता है।

तनाव का सामना करने के लिए, शिक्षकों को अच्छे संबंध बनाए रखने, आत्म-स्वीकृति विकसित करने, और उनकी शिक्षा कौशल में सुधार करने के लिए समर्थन प्रदान करने वाले स्रोतों का उपयोग करना आवश्यक है। समुचित प्रबंधन, औचित्य, और समर्थन के माध्यम से, शिक्षकों का व्यावसायिक तनाव कम किया जा सकता है ताकि वे अपने छात्रों को बेहतर रूप से प्रशिक्षित कर सकें।

शिक्षकों की नौकरी के प्रति संतुष्टि

शिक्षकों की नौकरी के प्रति संतुष्टि एक महत्वपूर्ण पहलु है जो शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित करती है। शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले शिक्षकों को उनके कार्य के प्रति संतुष्टि महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उनके पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करता है।

एक संतुष्ट शिक्षक अपने कार्य में पूर्णता की दिशा में काम करता है और छात्रों को उत्कृष्टता की दिशा में प्रेरित करता है। उन्हें छात्रों के साथ संबंध बनाए रखने में आनंद और संतुष्टि मिलती है, जिससे वे अध्यापन के क्षेत्र में उत्कृष्टता की दिशा में बढ़ सकते हैं।

एक संतुष्ट शिक्षक को उनके छात्रों की सिद्धि और सफलता में बड़ा आत्म-संतुष्टि और गर्व मिलता है। यह नौकरी उन्हें समृद्धि का एहसास कराती है और उन्हें योगदान का आदान-प्रदान महसूस होता है। संतुष्ट शिक्षक न केवल अच्छे उपाध्याय होते हैं, बल्कि वे अपने छात्रों के साथ एक सकारात्मक और समर्थनशील रिश्ते का आधार रखते हैं। इस प्रकार, शिक्षकों की संतुष्टि उनके जीवन में उत्कृष्टता और समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

संबंधित सामग्री का अध्ययन: (Review of Related Literature)

धर्मोपाध्यायक (2001) ने प्राथमिक प्रमुख शिक्षकों के बीच महसूस किए गए तनाव और नौकरी से संतुष्टि के स्तरों की रिपोर्ट की। तनाव और नौकरी से संतुष्टि के स्रोतों को चार शीर्षकों के तहत जांचा गया: अपने आप और दूसरों को प्रबंधित करना, वित्त प्रबंधन, पाठ्यक्रम प्रबंधन और परिवर्तन प्रबंधन। सबसे अधिक संतुष्टि के स्तर व्यक्तिगत कारकों और संगठनात्मक कारकों से आये थे। स्कूल संगठन को तनाव और संतुष्टि का स्रोत बताया गया था। सामाजिक समर्थन के स्तर के साथ सर्वन्नतम संतुष्टि थी। 'बहुत उच्च' तनाव की रिपोर्ट करने वाले दो उपग्रुप्स में कार्य संतुष्टि के स्तर में विभिन्नता थी - एक 'बहुत संतुष्ट', दूसरा 'असंतुष्ट'। यह विभिन्नताएं लिंग से संबंधित थीं, रुचिकरता है, और नौकरी संतुष्टि और तनाव के स्रोतों के रूप में महसूस की गई।

बॉर्ग और राइडिंग (1991) ने माल्टीज सेकेंडरी स्कूलों में 545 शिक्षकों के बीच व्यावसायिक तनाव और नौकरी संतुष्टि के रिश्तों का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि वे शिक्षक जो अधिक तनाव रिपोर्ट करते थे, वे शिक्षा के साथ कम संतुष्ट थे।

Gulfeshan Noorie

स्मिथ और बोर्क (1992) ने ऑस्ट्रेलिया में माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के बीच काम संबंधित तनाव और नौकरी संतुष्टि की खोज की और शिक्षक तनाव के चार पहलुओं की पहचान की: कर्मचारी तनाव और संघर्ष, समय की दबाव, छात्रों और कक्षा की स्थिति, और पुरस्कार और मान्यता की कमी। पाठ्यक्रम, भूमिका और संतुष्टि ने सीधे तनाव को प्रभावित करने का पता लगाया। उनके फिंडिंग्स फिशर (2011) के अध्ययन से साझेदार हैं। तीन मल्टीपल रीग्रेशन टेस्ट्स में, तनाव और बर्नआउट को नौकरी संतुष्टि के वाणिज्यिक अनुमानकरणकर्ता माना गया; अनुभव के वर्ष, नौकरी संतुष्टि और बर्नआउट ने तनाव के वाणिज्यिक अनुमानकरणकर्ता के रूप में विभाजन किया गया; और नौकरी संतुष्टि, निवारक सहकर्मचारी कौशल, और तनाव ने बर्नआउट के वाणिज्यिक अनुमानकरणकर्ता के रूप में विभाजन किया गया।

केली (1993) ने हॉगकॉन्ग में 220 सहायक प्रमुखों पर एक अध्ययन किया और स्व-रिपोर्टेड व्यावसायिक तनाव और कुल नौकरी संतुष्टि स्कोर के बीच एक सांख्यिक रूप से प्रमुख संबंध ($r = 0.4549$) को देखा। अध्ययन ने यह भी जांचा कि लगभग 70% सहायक प्रमुख अपने काम से सामान्य रूप से संतुष्ट थे और यह व्यावसायिक तनाव की वृद्धि से सहायक प्रमुखों की नौकरी संतुष्टि को कम करेगी। यह खुलासा करता है कि महिला सहायक प्रमुखों को उनके काम से अधिक संतुष्टि थी तुलनात्मक। त्से (1982) ने एक अध्ययन प्रस्तुत किया था जिसमें उन्होंने सरकारी और सब्सिडाइज्ड क्षेत्रों के 182 हॉगकॉग माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों के बीच व्यावसायिक तनाव और नौकरी संतुष्टि के स्तरों की पहचान करने के लिए एक अध्ययन करने का सुझाव दिया। उनके परिणामों ने दिखाया कि लगभग आधे शिक्षकों ने अपनी नौकरी को बहुत तनावपूर्ण या अत्यधिक तनावपूर्ण माना। और नौकरी संतुष्टि क्षेत्र में, समग्र प्रतिक्रियाएं संतुष्टि को सूचित करती थीं, कुछ कदम से अधिक संतुष्टि की प्रवृत्ति के साथ। काम भार और छात्रों के खराब व्यवहार को शिक्षकों द्वारा अनुभव किए जाने वाले मुख्य तनाव के स्रोत के रूप में पहचाना गया।

बॉर्ग, राइडिंग और फाल्ज़ॉन (1991) ने 710 माल्टीज प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों के बीच व्यावसायिक तनाव और इसके निर्धारकों का अध्ययन किया, एक प्रश्नपत्र सर्वेक्षण के माध्यम से। उनके परिणामों ने यह भी दिखाया कि वे शिक्षक जो अधिक तनाव रिपोर्ट करते थे, वे अपने काम से कम संतुष्ट थे और एक दूसरी बार मिला तो एक शिक्षा करने का संकल्प कम करेंगे। अनुसंधानकर्ताओं ने खोजा कि चार पर्यावरणीय कारकों में से, 'व्यावसायिक मान्यता की आवश्यकताएं' को नौकरी संतुष्टि और पेशेवर प्रतिबद्धता के साथ सबसे मजबूत उलटे संबंध के साथ पाया गया। सटन और ह्यूबर्टी (1984) ने 20 स्कूल शिक्षकों को सार्वजनिक और निजी स्कूलों में विल्सन स्ट्रेस प्रोफाइल का प्रबंधन किया और नौकरी संतुष्टि और तनाव स्तरों के बीच उलटा संबंध देखा।

ब्रूअर और मैकमहान-लैंडर्स (2003) ने 133 औद्योगिक और तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षकों के एक यादृच्छिक नमूने का परीक्षण किया और नौकरी संतुष्टि और नौकरी संतुष्टि के बीच रिश्तों का अध्ययन किया। सहकर्मिता विश्लेषण ने धारात्मक रूप से तनाव से जुड़े संबंधों को प्रकट किया, जिसमें संगठनीय समर्थन की कमी से जुड़े तनाव के प्रति अधिक संबंधित होने का पता लगा कि था। यह भी यह सुझाव देता है कि तनाव की अधिकता तनाव के तीव्रता से ज्यादा प्रभावित करती है !

अध्ययन की आवश्यकता (Need of the Study)

मिथिला विश्वविद्यालय में कार्यरत अध्यापक शिक्षकों के व्यावसायिक तनाव और नौकरी संतुष्टि के संबंधों का अध्ययन का महत्वपूर्ण और आवश्यक है। इस अध्ययन से हम शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले शिक्षकों के जीवन के प्रति गहराई से समझ पा रहे हैं, जिससे संस्था को उनके उत्कृष्ट कार्यों की समझ मिलेगी और सुधार की संभावनाएं पैदा होंगी।

Gulfeshan Noorie

आधुनिक शिक्षा प्रणाली में हो रहे बदलाव और तकनीकी प्रगति ने शिक्षकों को नए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। विभिन्न शिक्षा तंत्रों का सामंजस्य बनाए रखना, छात्रों को समझाना और उन्हें विकसित करना, और समृद्धि के लिए नवीनतम तकनीकों का उपयोग करना शिक्षकों को अत्यधिक दक्षता की मांग कर रहा है।
शिक्षकों की संतुष्टि एवं पेशेवर तनाव का मेल एक गहरा और महत्वपूर्ण विषय है। इसमें शिक्षकों की कार्य क्षमता, उत्साह, और सफलता का सीधा संबंध है। तनाव न केवल कार्यक्षेत्र में बल्कि उनके व्यक्तिगत जीवन पर भी असर डाल सकता है, जिससे संस्था को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने में बाधा हो सकती है।
इस अध्ययन के माध्यम से, हम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले शिक्षकों के अनुभवों, उनकी समस्याओं, और उनकी तलाशी जा रही सुधारों को समझने का प्रयास कर रहे हैं। इससे उनकी स्थिति को समझकर हम संभावित समाधान तैयार कर सकते हैं जो शिक्षा क्षेत्र को नई दिशा में ले जा सकता है। यह अध्ययन एक उच्च शिक्षा संस्थान के अध्यापकों के जीवन की स्थिति को विश्लेषण करने के साथ-साथ उनके सामाजिक और व्यावसायिक संबंधों को सुधारने का माध्यम प्रदान कर सकता है।

समस्याओं का बयान (Statement of the Problem)

"विश्वविद्यालय में कार्यरत अध्यापक शिक्षकों के व्यावसायिक तनाव और नौकरी की संतुष्टि के बीच सम्बन्धों का अध्ययन"

ऑपरेशनल परिभाषा: (Operational Definition)

पेशेवर दबाव (Professional Stress):

व्यावसायिक दबाव काम के दौरान बनाया गया दबाव है। जब कोई व्यक्ति या कार्यकर्ता इसे समझता है यदि वह जो काम कर रहा है वह उसकी क्षमता के अनुरूप नहीं है या वह इन परिस्थितियों से नहीं लड़ सकता है तो वह दबाव में आ जाता है जिसके कारण उसे कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति को व्यावसायिक दबाव का आता है।

व्यावसायिक संतुष्टिः (Job Satisfaction)

कर्मचारी की नौकरी से होने वाली संतुष्टि को विविध दृष्टिकोणों से वर्णित किया जा सकता है। यह व्यक्ति के उपर है कि उन्हें इस संतुष्टि के साथ कैसे आगे बढ़ना है। अन्य शब्दों में, व्यक्ति किस प्रकार के काम या विशिष्ट कार्य, या काम की निगरानी की प्रकृति को पसंद करता है, इस पर निर्भर करता है। यह समझना मुश्किल नहीं है कि नौकरी से संतुष्टि का मतलब केवल काम में रुचि लेना नहीं है, बल्कि यह भी व्यक्ति की भावनाओं को शामिल कर सकता है, जैसे कि नौकरी से संतुष्टि या नौकरी से जुड़ी घटनाओं का विवरण।

Gulfeshan Noorie

लिंग (Gender)

सेक्स शब्द का प्रयोग जीवित चीजों की किसी भी प्रजाति को संदर्भित करने के लिए किया जाता है जबकि जीव विज्ञान के वर्गीकरण में सेक्स जीवित चीजों की एक प्रजाति को (संदर्भित करता है। लिंग शब्द का प्रयोग प्रयत्नपूर्वक किया जाता है। दो प्रकार के होते हैं। (1) पुरुष (Male) (2) स्त्री (Female)

अध्ययन के उद्देश्य: (Objectives of the Study)

इसमें शोध के निम्नलिखित उद्देश्य हैं।

(1) अध्यापक शिक्षकों का व्यावसायिक तनाव लिंग के आधार पर अध्ययन करना।

(2) अध्यापक शिक्षकों का लिंग के आधार पर पेशेवर दबावों का अध्ययन करना।

(3) अध्यापक शिक्षकों का व्यावसायिक संतुष्टि लिंग के आधार पर अध्ययन करना।

(4) शिक्षकों के काम की संतुष्टि एवं व्यावसायिक तनाव के सम्बन्धों का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना (Hypothesis of the Study)

H1. अध्यापक शिक्षकों के बीच व्यावसायिक तनाव के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

H2. अध्यापक शिक्षकों के बीच नौकरी से संतुष्टि के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

H3. अध्यापक शिक्षकों का लिंग के आधार पर पेशेवर दबावों के बीच कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

H4. अध्यापक शिक्षकों का व्यावसायिक संतुष्टि मे लिंग के आधार पर कोई अंतर नहीं होगा।

H5. शिक्षकों के काम की संतुष्टि एवं व्यावसायिक तनाव के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं होगा।

शोध विधि -:

वर्तमान शोध एक विवरणात्मक सर्वेक्षण शोध है जिसके लिए प्रथम एवं दूतिये आँकरों की आवश्यकता होती है जिसके संग्रह के एवं विश्लेषण के आधार पर शोध की गुणात्मक तथा गणनात्मक निष्कर्ष को विश्लेषण के आधार पर आस्थापित किया जा सकता है|

जनसंख्या -:

वर्तमान शोध में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय मे संचालित सभी सरकारी एवं गैरसरकारी शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों मे कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को शामिल किया गया है जिन महाविद्यालयों की संख्या 36 है।

सीमांकन-:

प्रस्तुत शोध बिहार के ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय , दरभंगा तक सीमित है।

Gulfeshan Noorie

न्यादर्श-:

वर्तमान शोध हेतु ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित होने वाले सभी शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय से 200 शिक्षा शिक्षकों को stratified Random Sampling तकनीकी से चयनित किया जाएगा। जिनमे 100 मिहिला एवं 100 पुरुष शिक्षा शिक्षकों का चयन किया जाएगा। कुल न्याद्रश की संख्या 200 होगी।

शोध उपकरण-:

अनुसंधान उपकरण इस अध्ययन में शोधकर्ता

1. M. Sharma & S. Kaur द्वारा बनाए गए शिक्षक व्यावसायिक तनाव स्कूल का उपयोग करेंगे। इसमें कुल 30 आइटम हैं जो 9 आयामों में विभाजित है।
2. Nashin A. Annes द्वारा बनाए गए टूल में शिक्षक की संतुष्टि प्रश्नावली में कुल 42 आइटम है जो कि 10 आयामों से विभाजित है।

शोधकर्ता द्वारा शोध की आवश्यकता एवं उपकरण की उपलबद्धता को देखते हुए अन्य उपकरणों का भी प्रयोग किया जा सकता हैं।

आँकरों का संग्रह एवं प्रयोग विधि-:

प्रस्तुत शोध में आँकरों का संग्रहण शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों मे कार्यरत शिक्षा शिक्षकों से संपर्क स्थापित कर किया जाएगा तथा प्रश्नावली के माध्यम से आँकरों का संग्रहण किया जाएगा

सांख्यिकीय विश्लेषण -:

आँकरों के विश्लेषण हेतु निम्नलिखित संभावितसांख्यिकीय का प्रयोग किया जाएगा जिसमे मध्यमान)Mean) प्रामाणिक विचलन Standard Deviation तथा टीटेस्ट -(t-test) और ANOVA का प्रयोग कर निष्कर्ष पर पहुँचा जाएगा

शोध अध्ययन-:

प्रथम अध्याय ------------------------------भूमिका

द्वितीय अध्याय -------------------------- संबंधित साहित्य का अध्ययन

तृतीय अध्याय --------------------------अनुसंधान अभिकल्प

चतुर्थ अध्याय --------------------------प्रदतों का विश्लेषण एवं व्याख्यान

पंचम अध्याय------------------------- निष्कर्ष एवं सुझाव ,

Gulfeshan Noorie

संदर्भ- ग्रंथ सूची

Best, J. W. and Kahn, J.V. (2007), Research in Education, New Delhi, Prentice Hall of India Private Limited

J. Sajid, and Raheem, A. (2012). Education in Emerging India Society, Shipra Publication, New Delhi.

Kothari, C. R, and G. Gaurav (2014). Research Methodology, New Delhi, New Age International (P) Limited Publishers K.

Arun, (2015), Research Methods in Psychology, Sociology and Education Motilal Banarsidas, Patna

Hanzala. M (2018). Teacher Effective of Government School Teacher in Job Satisfaction Context

www.googlescholar.com

htttp://en.wikipedia.org/wiki/Mithila(region)

https://n.wikipedia.org/wiki/Jobsatisfaction

https://en.wikipedia.org/wiki/Occupational_stress

06/02/24

शोध निदेशक

Supervisor
Dr. Manoj Kumar Singh
Assistant Professor
Dr. Z. H. T. T. College
Laheriasarai, Darbhanga

Gulfeshan Noorie

शोधार्थी